वर्ष: 11 - अंक : 135, मुंबई, सोमवार, 12 जुलाई, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

मूल्य 1 रु.

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

आपके लिए

MM MITHAIWALA

गरमा गरम नाश्ता और शुद्ध घी की मिठाइयाँ

पार्सल

zomato swiggy amazon.in Flipkart

Order on WhatsApp +91 98208 99501

www.mmmithaiwala.com

'उद्धव ठाकरे के ड्रीम प्रॉजेक्ट पर ग्रहण'

समुद्री सफर के लिए मुंबईकरों को करना होगा और इंतजार

संवाददाता

मुंबई। कोरोना संकट और लॉकडाउन की वजह से मुंबई में कोस्टल रोड का काम भी प्रभावित हुआ है। इससे कोस्टल रोड का काम पूरा होने में तय समय से 5 महीने अधिक लग सकते हैं। पहले प्रॉजेक्ट का काम जुलाई 2023 में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, अब 2023 के आखिरी में पूरा होने का अनुमान है। बीएमसी ने इसकी पुष्टि की है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

10.58 किलोमीटर के प्रॉजेक्ट में 3 इंटरचेंज व 4 पार्किंग होंगे, दक्षिण मुंबई में प्रियदर्शिनी पार्क से छोटा चौपाटी तक 2 समानांतर टनल बनेंगी

'15 अगस्त के पहले शहरों को दहलाना चाहते थे आतंकी'

पाक में है इनका आका

संवाददाता

लखनऊ। यूपी के एडीजी प्रशांत कुमार ने बताया कि लखनऊ से गिरफ्तार किए गए दोनों आतंकवादी अलकायदा समर्थित अंसार गजवातुल हिंद संगठन से जुड़े हुए थे। ये लोग 15 अगस्त से पहले शहरों को दहलाने की योजना बना रहे थे। एटीएस को इनके पास से विस्फोटक बरामद हुआ है। लखनऊ में एटीएस की कार्रवाई में गिरफ्तार किए गए दोनों आतंकवादी अलकायदा समर्थित गजवातुल हिंद संगठन से जुड़े हुए थे। यह संगठन उमर नामक एक व्यक्ति द्वारा संचालित किया जा रहा था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

शरद पवार का मोदी सरकार पर हमला

'महाराष्ट्र विधानसभा से बने कानूनों में दखलंदाजी का हक नहीं'

संवाददाता

मुंबई। मोदी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार से पहले को-ऑपरेशन (सहकारिता मंत्रालय) के नाम से एक नया विभाग बनाया गया था। सहकारिता मंत्रालय को लेकर दिग्गज नेता और एनसीपी चीफ शरद पवार ने सवाल खड़े किए हैं। पवार ने मोदी सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा से मंजूर हो चुके कानूनों में दखल देने का केंद्र सरकार को कोई अधिकार नहीं है। बता दें कि अभी सहकारिता मंत्रालय की जिम्मेदारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पास है। शरद पवार के इस बयान से केंद्र के नए सहकारिता मंत्रालय को लेकर विपक्षी दलों की जंग शुरू होती दिख रही है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

राहुल ने केन्द्र सरकार पर ली चुटकी, कहा-मंत्रियों की संख्या बढ़ गयी, लेकिन कोविड टीकों की नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को केन्द्र सरकार से चुटकी लेते हुए कहा कि मंत्रियों की संख्या बढ़ गयी है लेकिन कोविड के टीके नहीं बढ़े हैं। उन्होंने रोजाना हो रहे टीकाकरण का चार्ट भी साझा किया, जिसके अनुसार, दिसंबर 2021 तक सभी वयस्कों का टीकाकरण पूरा करने का लक्ष्य अभी बहुत दूर है। गांधी ने ट्वीट किया, 'मंत्रियों की संख्या बढ़ी है, वैक्सीन की नहीं!' (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

निजता के लिए

आज के समय में निजता की रक्षा सबसे जरूरी है और किसी भी कंपनी या संस्थान को यह रियायत नहीं मिलनी चाहिए कि वह किसी की निजी सूचनाओं का उपयोग करे। निजता-नीति पर जारी विवाद के बीच वाट्सएप ने दिल्ली हाईकोर्ट में कहा है कि वह अपनी निजता-नीति पर रोक लगा चुका है। वाट्सएप ने लगे हाथ दिल्ली हाईकोर्ट को यह भी बताया है कि जब तक डाटा संरक्षण विधेयक प्रभाव में नहीं आ जाता, तब तक वह उपयोगकर्ताओं (यूजर्स) को नई निजता-नीति अपनाने के लिए बाध्य नहीं करेगा और इस नीति पर अभी रोक लगा दी गई है। एक बड़ी चिंता यह थी कि वाट्सएप की निजता-नीति को न मानने वाले यूजर्स को कुछ सुविधाओं से वंचित किया जाएगा। ऐसा अक्सर सोशल मीडिया कंपनियां करती हैं, यूजर्स से ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटाकर उसका व्यावसायिक उपयोग नई बात नहीं है। जैसे-जैसे यूजर्स अपनी सूचनाएं साझा करता है, वैसे-वैसे उसकी सुविधा बढ़ाई जाती है। लेकिन यह अच्छी बात है कि वाट्सएप ने अदालत के समक्ष यह भी साफ कर दिया है कि इस बीच वह नई निजता-नीति को नहीं अपनाने वाले यूजर्स के लिए उपयोग के दायरे को सीमित नहीं करेगा। हालांकि, इसका सीधा संकेत है, भविष्य में यूजर्स को उतनी ही छूट मिलेगी, जितनी सूचना वे साझा करेंगे। सोशल मीडिया मंचों पर यह स्वाभाविक चलन है। कई सोशल मंच तो भरपूर सूचनाएं लेने के साथ ही यूजर्स का प्रत्यक्ष आर्थिक दोहन भी करते हैं या दोहन के बारे में सोचते हैं। आम लोगों व अदालतों को भी सजग रहना होगा कि आने वाले समय में कोई ऐसी चालाकी न हो कि यूजर्स चौतरफा ठगे जाएं। बहरहाल, अदालत में वाट्सएप के रुख का नरम पड़ना कुछ उत्साहजनक है। वाट्सएप की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा है कि हम स्वतः ही इस (नीति) पर रोक लगाने के लिए तैयार हो गए हैं। हम लोगों को इसे स्वीकारने के लिए बाध्य नहीं करेंगे। वैसे वाट्सएप इसके बावजूद अपने यूजर्स के लिए अपडेट का विकल्प दशार्ना जारी रखेगा। मतलब, निजता की रक्षा की लड़ाई लंबी चलने वाली है। सोशल मीडिया कंपनियां बहुत मजबूत हो गई हैं और अपनी मनमानी आसानी से नहीं छोड़ेंगी। गौरतलब है कि अदालत फेसबुक और उसकी सहायक कंपनी वाट्सएप की अपीलों पर सुनवाई कर रही है, जो वाट्सएप की नई निजता-नीति के मामले में जांच के भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग के आदेश पर रोक लगाने से इनकार के एकल पीठ के आदेश के विरुद्ध दाखिल की गई हैं। केंद्र सरकार को पूरी तरह से सतर्क रहना होगा। ये सोशल मीडिया कंपनियां इस कोशिश में हैं कि सरकार द्वारा डाटा संरक्षण विधेयक को लागू करने से पहले ही वे अपनी व्यावसायिक सुरक्षा का इंतजाम कर लें। अगर इन कंपनियों ने यूजर्स से पहले ही निजता संबंधी समझौता कर लिया, तो फिर सरकार का डाटा संरक्षण संबंधी कानून निरर्थक हो जाएगा। आज सजग नागरिकों पर सर्वाधिक जिम्मेदारी है। निजता को जिस तरह की सुरक्षा अमेरिका या यूरोपीय देशों में हासिल होती है, वैसी ही सुरक्षा भारतीयों को भी हासिल होनी चाहिए। भारत एक विशाल बाजार है, हम अपना डाटा आसानी से या मुफ्त में किसी को हाथ लगने नहीं दे सकते। सरकार को पूरी तेजी के साथ जरूरी कदम उठाने चाहिए, ताकि निजता संबंधी विवाद का पटाक्षेप जल्द से जल्द हो।

चित्रकूट में संघ चिंतन और योगी

आश्चर्य की बात यह है कि जिस घबराहट में संघ आज सक्रिय हुआ है अगर समय रहते उसने चारों तरफ से उठ रही आवाजों को सुना होता तो स्थिति इतनी न बिगड़ती। पर ये भी हिंदुओं का दुर्भाग्य है कि जब-जब संघ वालों को सत्ता मिलती है, उनका अहंकार आसमान को छूने लगता है। देश और धर्म की सेवा के नाम फिर जो नौटंकी चलती है उसका पटाक्षेप प्रभु करते हैं और हर मतदाता उसमें अपनी भूमिका निभाता है। उत्तर प्रदेश के चुनाव कैसे जीते जाएं इस पर गहन चिंतन के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सभी अधिकारियों और प्रचारकों का एक सम्मेलन चित्रकूट में हुआ हैं। ऐसे शिविर में हुई कोई भी वार्ता या लिए गए निर्णय इतने गोपनीय रखे जाते हैं कि वे कभी बाहर नहीं आते। मीडिया में जो खबरें छपती हैं वो केवल अनुमान पर आधारित होती हैं, क्योंकि संघ के प्रचारक कभी असली बात बाहर किसी से साझा नहीं करते। इसलिए अटकलें लगाने के बजाए हम अपनी सामान्य बुद्धि से ही इस महत्वपूर्ण शिविर के उद्देश्य, वार्ता के विषय और रणनीति पर अपने विचार बना सकते है।

जहां तक उत्तर प्रदेश के आगामी विधान सभा के चुनाव की बात है तो जिस तरह की अफरा-तफरी संघ और भाजपा में मची है उससे स्पष्ट है कि योगी सरकार की फिर से जीत को लेकर गहरी आशंका व्यक्त की जा रही है, जो निर्मूल नहीं है। संघ और भाजपा के गोपनीय सर्वेक्षणों में योगी सरकार की लोकप्रियता वैसी नहीं सामने आई जैसी सैंकड़ों करोड़ के विज्ञापन दिखा कर छवि बनाने की कोशिश की गई है। ये ठीक वैसा ही है, जैसा 2004 के लोकसभा चुनाव में वाजपेयी जी के चुनाव प्रचार को तत्कालीन भाजपा नेता प्रमोद महाजन ने 'इंडिया शाइनिंग' का नारा देकर खूब ढिंढोरा पीटा था। विपक्ष तब भी बिखरा हुआ था। वाजपेयी जी की लोकप्रियता के सामने सोनिया गांधी को बहुत हल्के में लिया जा रहा था। सुषमा स्वराज और प्रमोद महाजन ने तो उन्हें विदेशी बता कर काफी पीछे धकेलने का प्रयास किया। पर परिणाम भाजपा और संघ की आशा के प्रतिकूल आए। ऐसा ही दिल्ली, पंजाब और पश्चिम बंगाल आदि राज्यों के विधान सभा चुनावों में भी हुआ। जहां संघ और भाजपा ने हर हथकंडे अपनाए, हजारों करोड़ रुपया खर्च किया, पर मतदाताओं ने उसे नकार दिया। अगर योगी जी के शासन की बात करें तो याद करना होगा कि मुख्य मंत्री बनते ही उन्होंने सबसे पहले कदम क्या उठाए, रोमियो स्क्वॉड, कत्लखाने और मांस की दुकानों पर छापे, लव जिहाद का नारा और दंगों

में मुसलमानों को आरोपित करके उन पर पुलिस का सख़्त डंडा या उनकी सम्पत्ति कुर्क करना जैसे कुछ चर्चित कदम उठा कर योगी जी ने उत्तर प्रदेश के कट्टर हिंदुओं का दिल जीत लिया। दशकों बाद उन्हें लगा कि कोई ऐसा मुख्य मंत्री आया है जो हिंदुत्व के मुद्दे को पूरे दम-खम से लागू करेगा। पर यह मोह जल्दी ही भंग हो गया। योगी की इस कार्यशैली के प्रशंसक अब पहले की तुलना में काफी कम हो गए हैं।

इसका मुख्य कारण है कि योगी राज में बेरोजगारी चरम सीमा पर पहुँच गई है। महंगाई सारे देश में ही आसमान छू रही है तो उत्तर प्रदेश भी उससे अछूता नहीं है। इसके साथ ही नोटबंदी और जीएसटी के कारण तमाम उद्योग धंधे और व्यवसाय ठप्प हो गए हैं, जिसके कारण उत्तर प्रदेश की बहुसंख्यक जनता आर्थिक रूप से बदहाल हुई है। रही-सही मार कोविड काल में, विशेषकर दूसरे दौर में, स्वास्थ्य सेवाओं की विफलता ने पूरी कर डाली। कोई घर ऐसा न होगा जिसका परिचित या रिश्तेदार इस अव्यवस्था के कारण मौत की भेंट न चढ़ा हो। बड़ी तादाद में लाशों को गंगा में बहाया जाना या दफनाया जाना एक ऐसा हृदयविदारक अनुभव था जो, हिंदू शासन काल में हिंदुओं की आत्मा तक में सिहरन पैदा कर गया। क्योंकि 1000 साल के मुसलमानों के शासन काल में एक बार भी ऐसा नहीं हुआ जब आर्थिक तंगी या लकड़ी की अनुपलब्धता के कारण हिंदुओं को अपने प्रियजनों के शवों को दफनाना पड़ा हो। इस भयानक त्रासदी से हिंदू मन पर जो चोट लगी है उसे भूलने में सदियाँ बीत जाएँगीं। योगी सरकार के कुछ अधिकारी उन्हें गुमराह कर हजारों करोड़ रुपया हिंदुत्व के नाम पर नाटक-नौटंकियों पर खर्च करवाते रहे। जिससे योगी सरकार को क्षणिक वाह-वाही तो मिल गई, लेकिन इसका आम मतदाता को कोई भी लाभ नहीं मिला। बहुत बड़ी रकम इन नाच-गानों और आडम्बर में बर्बाद हो गई। प्रयागराज के अर्ध-कुम्भ को पूर्ण-कुम्भ बता कर हजारों करोड़ रुपया बर्बाद करना या वृंदावन की 'कुम्भ पूर्व वैष्णव बैठक' को भी कोविड काल में पूर्ण-कुम्भ की तरह महिमा मंडित करना शेखचिल्ली वाले काम थे। मथुरा जिले में तो कोरोना की दूसरी लहर वृंदावन के इसी अनियंत्रित आयोजन के बाद ही बुरी तरह आई। जिसके कारण हर गाँव ने मौत का मंजर देखा। कोविड काल में संघ की कोई भूमिका नजर नहीं आई। न तो दवा और इंजेक्शनों की काला बाजारी रोकने में, न अस्पतालों में बेड के लिए बदहवास दौड़ते परिवारों की मदद करने में और न ही गरीब परिवारों को दाह संस्कार के लिए लकड़ी उपलब्ध कराने के लिए। मथुरा, अयोध्या और काशी के विकास के नाम पर दिल खोल कर धन लुटाया गया। पर दृष्टि, अनुभव, ज्ञान व धर्म के प्रति संवेदनशीलता के अभाव में हवाई विशेषज्ञों की सलाह पर ये धन भ्रष्टाचार और बर्बादी का कारण बना। जिसका कोई प्रशंसनीय बदलाव इन धर्म नगरियों में नहीं दिखाई पड़ रहा है। आधुनिकरण के नाम पर प्राचीन धरोहरों को जिस बेदर्दी से नष्ट किया गया उससे काशीवासियों और दुनिया भर में काशी की अनूठी गलियों के प्रशंसकों को ऐसा हृदयघात लगा है क्योंकि वे इसे रोकने के लिए कुछ भी नहीं कर पाए। सदियों की सांस्कृतिक विरासत को बुलडोजरों ने निर्ममता से धूलधूसरित कर दिया। योगी सरकार ने गौ सेवा और गौ रक्षा के अभियान को भी खुले हाथ से सैंकड़ों करोड़ रुपया दिया। जो एक सराहनीय कदम था। पर दुर्भाग्य से यहाँ भी संघ और भाजपा के बड़े लोगों ने मिलकर गौशालाओं पर कब्जे करने का और गौ सेवा के धन को उर्र-फुर्र करने का ऐसा निंदनीय कृत्य किया है जिससे गौ माता उन्हें कभी क्षमा नहीं करेंगी। इस आरोप को सिद्ध करने के लिए तमाम प्रमाण भी उपलब्ध हैं। इन सब कमियों को समय-समय पर जब भी पत्रकारों या जागरूक नागरिकों ने उजागर किया या प्रश्न पूछे तो उन पर दर्जनों एफआईआर दर्ज करवा कर लोकतंत्र का गला घोंटने का जैसा निंदनीय कार्य हुआ वैसा उत्तर प्रदेश की जनता ने पहले कभी नहीं देखा था। इसलिए केवल यह मान कर कि विपक्ष बिखरा है, वैतरणी पार नहीं होगी। क्या विकल्प बनेगा या नहीं बनेगा ये तो समय बताएगा। पर आश्चर्य की बात यह है कि जिस घबराहट में संघ आज सक्रिय हुआ है अगर समय रहते उसने चारों तरफ से उठ रही आवाजों को सुना होता तो स्थिति इतनी न बिगड़ती। पर ये भी हिंदुओं का दुर्भाग्य है कि जब-जब संघ वालों को सत्ता मिलती है, उनका अहंकार आसमान को छूने लगता है। देश और धर्म की सेवा के नाम फिर जो नौटंकी चलती है उसका पटाक्षेप प्रभु करते हैं और हर मतदाता उसमें अपनी भूमिका निभाता है।

बगलें झांकते भारत व पाक

परसों तक ऐसा लग रहा था कि अफगानिस्तान में हमारे राजदूतावास और वाणिज्य दूतावासों को कोई खतरा नहीं है लेकिन हमारा कंधार का दूतावास कल खाली हो गया। लगभग 50 कर्मचारियों और कुछ पुलिसवालों को आनन-फानन जहाज में बिठाकर नई दिल्ली ले जाया गया है। वैसे काबुल, बल्ख और मजारे-शरीफ में हमारे कूटनीतिज्ञ अभी तक टिके हुए हैं लेकिन कोई आश्चर्य नहीं कि वे दूतावास भी तालिबान के घेरे में शीघ्र ही चले जाएं। जो ताजा खबरें आ रही हैं उनसे तो ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान के उत्तरी और पश्चिमी जिलों में तालिबान का कब्जा बढ़ता जा रहा है। एक खबर यह भी है कि तालिबानी हमले का मुकाबला करने की बजाय लगभग एक हजार अफगान सैनिक ताजिकिस्तान की सीमा में जाकर छिप गए। चीन पहुंचे हुए तालिबान प्रवक्ता ने पेइचिंग में घोषणा की है कि 85 प्रतिशत क्षेत्र पर तालिबान का कब्जा हो चुका है जबकि राष्ट्रपति अशरफ गनी का कहना है कि अफगान फौज और पुलिस तालिबान आतंकवादियों को पीछे खदेड़ती जा रही है। उन्होंने यह भी कहा है कि अफगानिस्तान के विभिन्न जिलों में रोज लगभग 200 से 600 लोग मारे जा रहे हैं। यह गृह-युद्ध की स्थिति नहीं है तो क्या है ? जो चीन पाकिस्तान का इस्पाती दोस्त है और तालिबान का समर्थक है, वह भी इतना घबराया हुआ है कि उसने अपने लगभग 200 नागरिकों से काबुल खाली करवाया है। चीन इन बुरे हालात का दोष अमेरिका के सिर मढ़ रहा है लेकिन आश्चर्य की बात है कि काबुल में पाकिस्तानी राजदूत मंसूर अहमद खान ने दुनिया के देशों से अपील की है कि वे अफगान फौजों की मदद करें, वरना तालिबानी हमलों के कारण लाखों शरणार्थी दुबारा पाकिस्तान के सीने पर सवार हो जाएंगे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कोरोना काल में सक्रिय है सेक्सटॉर्शन रैकेट

अश्लील विडियो वायरल करने की धमकी देकर मांगी जाती है फिरौती

संवाददाता

मुंबई। सोशल मीडिया के जरिए लोगों से बातचीत करना जोखिम भरा हो सकता है। साइबर क्राइम एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर सावधानी से बातचीत नहीं की जाए तो यह जी का जंजाल बन सकता है। इसलिए किसी अनजान व्यक्ति का विडियो मैसेंजर कॉल आए तो सावधान हो जाएं। कोशिश करें कि अज्ञात लोगों का विडियो कॉल रीसिव न करें। उसे नजरअंदाज कर दें, क्योंकि आजकल विभिन्न प्रकार के मोबाइल ऐप्स एवं सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर लोगों का सेक्सटॉर्शन किया जा रहा है। इस प्रकार के साइबर क्राइम में सोशल मीडिया

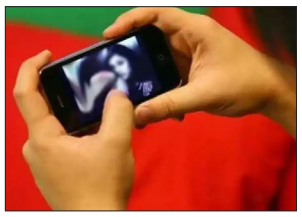

यूजर को महिलाओं का नग्न विडियो दिखाया जाता है। इस दरमियान बातचीत में फंसा कर सामने वाली महिला उस मोबाइल यूजर को कपड़े उतारने के लिए कहती हैं। उसकी बातों पर भरोसा कर जैसे ही सोशल मीडिया यूजर इस तरह की हरकतें करते हैं, उसका वह अश्लील विडियो बना लिया जाता है। इस अश्लील विडियो को वायरल करने की धमकी देकर सेक्सटॉर्शन रैकेट से जुड़े लोग सोशल मीडिया यूजर (शिकार) से भारी भरकम राशि की मांग करते हैं। इस रैकट के शिकार बॉलीवुड सेलेब्रिटीज से लेकर आम नागरिक तक हो चुके हैं।

सेक्सटॉर्शन की शिकायतें दर्ज

केस 1: अंधेरी में रहने वाले 26 वर्षीय एक युवक ने फेसबुक पर एक अनजान महिला द्वारा सेक्सटॉर्शन का शिकार होकर उसको विडियो वायरल नहीं करने के लिए 36 लाख रुपये चुकाए थे।

केस 2: वर्सोवा में एक म्यूजिक आर्टिस्ट से विडियो कॉल और धमकी देकर लाखों रुपये वसूलने का मामला सामने आया था।

सेक्सटॉर्शन से बचने के लिए क्या करें

➔ सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से दोस्ती करते समय अलर्ट रहें। ➔ अज्ञात महिला द्वारा की गई विडियो कॉल हरगिज स्वीकार नहीं करें ➔ न्यूड कॉल पर ज्यादा देर तक बात नहीं करें और कॉल डिसकनेक्ट कर दें। ➔ पैसे मांगने पर पुलिस में केस दर्ज कराएं।

मंत्री जितेंद्र आव्हाड के हाथों किया गया सबील का उद्घाटन

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 9 जुलाई शुक्रवार रात 8:30 बजे शरिफा रोड स्थित फरहान कॉम्पलेक्स के सामने मरहूम नसरुद्दीन नाईक और हनीफ मेमन की याद में पानी की सबील का उद्घाटन कलवा मुंब्रा के विधायक व गृह निर्माण मंत्री जितेन्द्र आव्हाड के हाथों किया गया। यह सबील को बनाने में मरहूम नसरुद्दीन नाईक की बेटी नेहा नाईक की और रऊफ मेमन की अहम भूमिका बताई जा रही है। यह दोनों के प्रयासों से पानी की सबील को तैयार किया गया। इस मौके पर मंत्री जितेंद्र आव्हाड ने मरहूम नसरुद्दीन नायक को याद करते

हुए कहा कि जब मैं 2009 में मुंब्रा में पहली बार आया था उस वक्त मुझे मुंब्रा कि गलियां पता नहीं थी, तभी नसरुद्दीन नायक साहब ने मेरी बहुत मदद की थी। उनके जाने का मुझे बेहद सदमा लगा था। उन्होंने अल्लाह से दुआ करते हुए कहा कि अल्लाह जन्नत में नसरुद्दीन नायक को आला मकाम आता करें। फिर नेहा नायक से हुई बातचीत के दौरान उन्होंने मंत्री जितेंद्र आव्हाड का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया और इस काम में जिन लोगों ने उनका साथ दिया था उनका भी आभार प्रकट किया और उन्होंने अपने वालिद मरहूम नसरुद्दीन नायक को याद करते हुए कहा कि मेरे मेरे अब्बा जान ने हमेशा मुंब्रा वालों को पानी पिलाया है जब वह जिंदा थे तब यह काम मुंब्रा वालों के लिए बहुत किया है और मैं भी यह चाहती हूं कि उनके नक्शे कदम पर चलूं और इस बात को ध्यान रखते हुए मैंने यह पानी की सबील को बनाया है। ताकि जब तक यह सबील का पानी लोग पिएंगे तो मेरे वालिद मोहतरम को सवाब मिलता रहेगा और आए हुए तमाम लोगों का उन्होंने तहे दिल से शुक्रिया अदा किया।

ड्रग्स बेचने के आरोप में एक गिरफ्तार

मुंबई। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने मुंबई के माहिम क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर युवाओं को ड्रग्स बेचता था। एजेंसी के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के निवासियों ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरुद्ध कई बार शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद एनसीबी के जोनल निदेशक समीर वानखेड़े के नेतृत्व में शनिवार को अभियान चलाया गया। अधिकारी ने कहा कि एनसीबी की एक टीम ने क्षेत्र में ड्रग्स बेचने वाले वसीम

शमीम नागौर को माहिम तट पर पकड़ा और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान एजेंसी के अधिकारियों ने आरोपी के पास से हशीश जब्त किया और कहा कि मामले की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी युवाओं को ड्रग्स की आपूर्ति करता था। एनसीबी के अधिकारियों ने क्षेत्र में कुछ किशोरों को ड्रग्स लेते हुए भी पाया। अधिकारी ने कहा कि बच्चों के मां बाप को इसकी जानकारी दी गई और उन्हें ड्रग्स के नुकसान के बारे में बताया गया।

(पृष्ठ 1 का शेष)

उद्धव ठाकरे के ड्रीम प्रॉजेक्ट पर 'ग्रहण'

महानगर में ट्रैफिक की समस्या से मुक्ति के लिए निमार्णाधीन कोस्टल रोड की समुद्री सुरक्षा दीवार का 68 प्रतिशत काम हो गया है। इससे कोस्टल रोड के काम को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का अब तक 36 प्रतिशत काम हो गया है। बीएमसी कमिश्नर आईएस चहल और अतिरिक्त आयुक्त अश्विनी भिडे के मार्गदर्शन में कोस्टल रोड का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। कोस्टल रोड परियोजना से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि कोरोना संकट और लॉकडाउन के कारण कोस्टल रोड के काम में बाधा आई है। पिछले वर्ष भी मजदूरों की कमी के कारण कोस्टल रोड का काम प्रभावित हुआ था। इस साल भी लॉकडाउन के दौरान वही स्थिति रही। अधिकारी ने बताया कि जून से मजदूरों की समस्या दूर हुई है। इसके बाद काम तेजी से हो रहा है। कोस्टल रोड के लिए समुद्र में भराई की जा रही है। समुद्र में 100 हेक्टेयर भराई हो चुकी है। बीएमसी के अनुसार, 90 प्रतिशत काम हो गया है। 10 हेक्टेयर भराई की परमिशन मिल गई है, जिसका काम शुरू हो गया है। इसके अलावा, पाइल्स, पुलों के स्तंभ, पुल के लिए लगने वाले गर्डर, टनल में प्रवेश के लिए लगने वाला रैंप, आरसीसी बॉक्स व अन्य कार्य तेजी से हो रहे हैं।

शरद पवार का मोदी सरकार पर हमला

शरद पवार ने अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में कहा, ऐसी चर्चा हो रही है कि केंद्र सरकार का नया सहकारिता मंत्रालय महाराष्ट्र में सहकारिता आंदोलन की राह में अवरोध खड़ा करेगा। लेकिन ये चर्चा बेकार है क्योंकि संविधान के मुताबिक प्रदेश में सहकारी कानून बनाने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। महाराष्ट्र विधानसभा में इसी आधार पर सहकारिता विभाग से संबंधित कानून बनाए गए हैं। केंद्र को महाराष्ट्र विधानसभा से तैयार हुए कानूनों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। इस दौरान पवार ने कहा कि मल्टि स्टेट बैंक केंद्र सरकार के दायरे में आते हैं लेकिन सहकारिता मंत्रालय कोई नया मुद्दा नहीं है। पवार ने याद दिलाया कि जब वो 10 साल तक देश के कृषि मंत्री थे, तब भी ये एक मुद्दा था। ऐसे में बहुराज्य सहकारी संस्थाएं दो दो अलग-अलग राज्यों में संचालित होती हैं, उनका अधिकारी केंद्र सरकार के पास जाने को स्वतंत्र है। बताते चलें कि 2013 में भी गुजरात हाई कोर्ट ने 97वें संविधान संशोधन के कुछ बिंदुओं को खारिज किया था। कोर्ट ने कहा था कि केंद्र सरकार सहकारी संस्थाओं से जुड़े नियम-कानून नहीं बना सकती, क्योंकि यह पूरी तरह से राज्य का मामला है।

राहुल ने केन्द्र सरकार पर ली चुटकी

उन्होंने हैशटैग लगाया है 'टीका कहां है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार में 43 मंत्रियों के शामिल होने के बाद राहुल गांधी ने यह टिप्पणी की है। केन्द्रीय मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की संख्या अब 77 हो गई है। गांधी ने जो चार्ट साझा किया है वह कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर को रोकने के लक्ष्य से भारत के टीकाकरण अनुपात का है। चार्ट के अनुसार, दिसंबर 2021 तक 60 प्रतिशत आबादी के टीकाकरण का लक्ष्य है और इसके लिए टीकाकरण की आवश्यक दर 88 लाख खुराक प्रतिदिन है। हालांकि, चार्ट में यह भी इंगित किया गया है कि पिछले सात दिनों में औसत टीकाकरण 34 लाख खुराक प्रतिदिन है, जो तय लक्ष्य से 54 लाख खुराक कम है।

'15 अगस्त के पहले शहरों को दहलाना चाहते थे आतंकी'

यूपी के एडीजी के अनुसार, अलकायदा समर्थित आतंकी संगठन पेशावर व क्वेटा से संचालित किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि उमर लखनऊ में जेहादी प्रवृत्ति के लोगों को तैयार कर रहा था। उन्होंने बताया कि मिनहाज अहमद और मशीरुद्दीन उर्फ मुशीर इस संगठन के सदस्य हैं। ये लोग 15 अगस्त से पहले शहरों में अलग-अलग जगह धमाके की योजना बना रहे थे। एडीजी ने बताया कि इनपुट के आधार पर मिनहाज के घर से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया गया है। एडीजी ने कहा कि सूचना मिलने पर एक टीम द्वारा मिनहाज अहमद के लखनऊ स्थित घर पर दबिश दी गई तो वह घर पर मिला। उसके घर से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ। एटीएस को उसके घर से एक पिस्टल व आईईडी बरामद हुई। वहीं, प्राप्त हुए आईईडी को बीडीडीएस की मदद से निष्क्रिय कराया जा रहा है। दूसरी टीम के द्वारा अभियुक्त मशीरुद्दीन के लखनऊ स्थित घर पर दबिश दी गई। उसके घर से भी भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ।

'लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड्स-2021' द्वारा पत्रकार पुष्कर ओझा सम्मानित

मुंबई। 'लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड्स -2021' का आयोजन संस्था के डायरेक्टर व फाउंडर डॉ. कृष्णा चौहान द्वारा मुंबई के अँधेरी (वेस्ट) में स्थित मेयर हाल में ११ जुलाई २०२१ को किया गया। इस अवसर पर संस्था द्वारा पत्रकार पुष्कर ओझा को 'लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड्स -२०२१' दादा साहेब फाल्के के पौत्र चंद्रशेखर पुलसलकर के शुभ हाथो से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि दादा साहेब के ग्रैंडसन चंद्रशेखर पुलसलकर, संगीतकार अनु मलिक,साउथ के एक्टर सुमन तलवार, बॉलीवुड एक्टर मुकेश ऋषि, अरुण बख्शी, गजेंद्र चौहान,अनिल नागराज, गुजराती अभिनेता राजदीप, समाज सेवक अनिल मुरारका और अन्य महानुभाव ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाया। मुंबई से बहुमुखी प्रतिभाशाली पुष्कर ओझा सामाजिक, राजनीतिक और मनोरंजन के छेत्र में कई सराहनीय कार्य किया है और करते आ रहे है। पुष्कर ओझा पिछले बिस वर्षों से फिल्म इंडस्ट्री में जुड़े हुए है।और कई विभिन चैनेलों में अपनी प्रतिभा दिखाकर अब पुष्कर ओझा खबर 24 चैनल से पत्रकारिता और साथ ही काफी समाजसेवा करते रहते है। इस अवसर पर पत्रकार पुष्कर ओझा संस्था के फाउंडर डा कृष्णा चौहान को धन्यवाद दिया और उनको कामयाबी की शुभकामनाएं दी।

मुंबई में 'पुलिस प्रैक्टिस' के खिलाफ वकीलों ने खोला मोर्चा

कई वकीलों ने पुलिस प्रशासन के कुछ अधिकारियों पर पुलिस प्रैक्टिस करने का आरोप लगाते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित शिकायत भेजी है

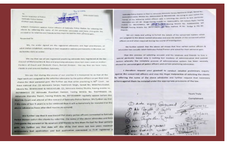

मुंबई। वकीलों का आरोप है कि मुंबई के साकीनाका पुलिस स्टेशन के 2-3 अधिकारी रिमांड पर लिए गए अपराधियों के परिजनों पर उनके मन मुताबिक वकीलों से कानूनी सहायता लेने का दबाव बनाते हैं। मजबूरी में अभियुक्तों के परिजन अनचाहे वकीलों को मोटी फीस देने को बेबस हैं। जिसका बड़ा हिस्सा पुलिस महकमे के गिने चुने अधिकारियों को कमीशन के तौर पर दिया जाता है। इस तरह से कोर्ट के अंदर की न्यायिक प्रक्रिया को कुछ पुलिस अधिकारी प्रभावित कर रहे हैं। जिसे पुलिस प्रैक्टिस कहा जा रहा है। ऐसे वकीलों के हाथ में केस जाने से पुलिस चार्जशीट में नरमी बरतते हुए अभियुक्तों के परिजनों को परोक्ष रूप से सहायता करने का वादा भी करते हैं। इससे बड़ी संख्या में प्रतिभावान और ईमानदार वकीलों के पास काम नहीं है। इससे आक्रोशित वकीलों के एक समूह ने साकीनाका पुलिस वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को शिकायत पत्र सौंपा है। पत्र में एडवोकेट संजय हरकेश सिंह और एडवोकेट अम्बुज शुक्ला के साथ अन्य दो वकीलों पर आरोप लगाया गया है कि

पिछले 5 सालों में कोर्ट में रिमांड पर लिए गए अभियुक्तों के पक्ष से यही चुनिंदा वकील ही पैरवी करते है। यह कोई संयोग न होकर इनके और पुलिस के बीच के सांठगांठ का नतीजा है। इस शिकायत के बाद से महाराष्ट्र और गोवा बार कौंसिल के वकीलों ने भी अलग अलग पुलिस स्टेशन में चल रहे पुलिस प्रैक्टिस के खिलाफ आवाज उठानी शुरू कर दी है। एक न्यूज पोर्टल से बात करते हुए जानेमाने वरिष्ठ अधिवक्ता बृजेश तिवारी कहते हैं कि यह निष्पक्ष न्याय व्यवस्था का अपमान और अपराध है। इस मुद्दे पर जांच प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। एडवोकेट शुभलक्ष्मी सावंत कहती है कि थानों में अधिकारियों का कार्यकाल एक वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। जिससे किसी भी अधिकारी का किसी वकील से करीबी न होने पाए। एक अन्य सीनियर वकील का मानना है कि मुंबई में पुलिस प्रैक्टिस का गोरखधंधा कई वर्षों से चल रहा है। अब जाकर वकीलों ने अपनी आवाज बुलंद की है। शीघ्र ही देश के अलग अलग हिस्सों में ऐसे वकीलों के नाम सार्वजानिक होने की पूरी संभावना है। एडवोकेट सी सी तिवारी ने कहा है कि देश के संविधान ने हर किसी को न्यायिक प्रक्रिया के लिए स्वतंत्र रूप से वकील चुनने का अधिकार दिया है। कुछ पुलिस कर्मी और वकील आम नागरिकों के इस अधिकारों का हनन कर के पूरे न्यायिक व्यवस्था का अपमान कर रहे हैं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को भापते हुए जांच शुरू कर दी है। साथ ही में शिकायत करने वालों को आश्वस्त किया है कि ऐसे गोरखधंधे को मुंबई पुलिस विभाग से पूरी तरह बंद कर देंगे और पुलिस प्रैक्टिस संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कैंसर एड एंड रिसर्च फाऊंडेशन द्वारा कैंसर पीड़ितों को मिली आर्थिक सहायता

मुंबई। हर साल दुनिया भर में 14 लाख से अधिक लोग कैंसर से पीड़ित होते हैं और कुछ ही लोग होते हैं जो कैंसर का सही समय पर पूरा इलाज करा पाते हैं कई लोग आर्थिक स्थिति ना होने की वजह से भी यह इलाज नहीं करा पाते ऐसे लोगों की सहायता के लिए कई सारे संस्थाएं काम कर रही है जो ऐसे जरूरतमंद मरीजों की सहायता करती है इन्हीं संस्थाओं में से एक है कैंसर एड एंड रिसर्च फाऊंडेशन जो पिछले कई सालों से कैंसर पीड़ित मरीजों की सहायता करती आ रही है शुक्रवार को कैंसर एड एंड रिसर्च फाउंडेशन की ओर से पीड़ित मरीजों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई इस मौके पर महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक मुख्य रूप से उपस्थित हुए और उन्हीं के हाथों से पीड़ित मरीजों को धनराशि दी गई इस मौके पर कैंसर एड एंड रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष शमशी मुल्ला, संस्था की सीईओ सविता नथानी सहित कैंसर एड एंड रिसर्च फाऊंडेशन के सहायक भी उपस्थित हुए। जहां एक ओर पीड़ित मरीजों को आर्थिक मदद मिलने पर संतुष्टि देखी गई, तो वहीं दूसरी ओर संस्था के अध्यक्ष शम्शी मुल्ला ने बताया कि इस तरह के लोगों की सहायता करने में उन्हें खुशी मिलती है उन्होंने यह भी बताया कि इस तरह के कार्य वे आगे भी करते रहेंगे और जरूरतमंदों को इसी तरह आर्थिक सहायता देते रहेंगे।

जगदानंद के इस्तीफे के बीच तेज प्रताप के तेवर नरम

लालू के बड़े बेटे बोले- पिता जी से बात हुई है, पार्टी में सब ठीक है, हम हैं क्या जिससे किसी को नाराजगी होगी?

पटना। राष्ट्रीय जनता (आरजेडी) के बिहार प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के इस्तीफे की खबर के बाद शनिवार को तेज प्रताप यादव बदले-बदले से नजर आए। अपने विधानसभा क्षेत्र हसनपुर जाने के दौरान पटना में लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप ने कहा-इस्तीफा की कोई बात नहीं है। हम हैं क्या, जिससे किसी को नाराजगी होगी। हमारी पिता जी से बात हुई है। जगदानंद बाबू ने इस्तीफे की बात को सही नहीं माना है। ऐसे में नाराजगी का आरोप भी गलत है। बता दें कि शुक्रवार को प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव को अपने पद से इस्तीफा

भेजने की खबर सामने आई थी। माना जा रहा है कि वह लालू के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव के व्यवहार से आहत हैं, लेकिन इस्तीफे की वजह शारीरिक अस्वस्थता बताई गई है। बताया जा रहा है कि उनके इस्तीफे को अभी तक लालू यादव और तेजस्वी यादव ने स्वीकार नहीं किया है। वे तेज प्रताप के उस बयान से नाराज बताए जा रहे हैं, जिसमें कहा था कि लगता है अंकल नाराज हैं, हमारे भाषण पर ताली नहीं बजाते। तेज ने यह बयान पार्टी के स्थापना दिवस पर 5 जुलाई को दिया था। तेजप्रताप यादव की पुरानी फितरत है, वे पहले बयान देते हैं और बवाल होने के बाद उस पर नरमी दिखाते हैं। इस बार भी वही हुआ। पार्टी के स्थापना दिवस 5 जुलाई को उन्होंने वर्चुअली मौजूद लालू प्रसाद की मौजूदगी में यह कहते हुए प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह पर खूब कटाक्ष किया कि उन्हें भगवान को छोड़कर किसी से डर नहीं लगता। अब 4 दिन बाद तेजप्रताप यादव ने कहा है कि 'वह हैं क्या जो उनसे किसी को नाराजगी होगी? '

महाराष्ट्र सरकार ने पटोले के फोन टैपिंग के आरोपों की जांच के लिए समिति बनायी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने प्रदेश कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले द्वारा लगाए फोन टैपिंग के आरोपों की जांच के लिए राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) संजय पाण्डेय के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। राज्य के खुफिया विभाग के आयुक्त और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (विशेष शाखा) इस तीन सदस्यीय समिति का हिस्सा होंगे। इस हफ्ते राज्य विधानसभा के दो दिवसीय मॉनसून सत्र के दौरान गृह मंत्री दिलीप वालसे पाटिल ने सदन में उच्च स्तरीय जांच समिति गठित करने की घोषणा की थी। पटोले का आरोप है कि 2016-17 के दौरान उनका फोन टैप किया गया जब वह संसद के सदस्य थे और देवेंद्र फडणवीस राज्य सरकार का नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उनका फोन इस आड़ में टैप किया गया कि यह मादक पदार्थ के तस्कर अमजद खान का नंबर है। सरकार ने शुक्रवार शाम को आदेश जारी करते हुए कहा कि समिति मामले की जांच करेगी और तीन महीने में विधानसभा को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। आदेश में कहा गया है, अगर फोन पर निगरानी रखना राजनीति से प्रेरित पाया गया तो कार्रवाई की जाएगी।

अमेरिकी सेना का इनोवेशन: यूएस आर्मी ऐसी गोली का ट्रायल कर रही, जिसे खाने से बुढ़ापा नहीं आएगा और जख्म भी जल्दी ठीक होंगे

संवाददाता

वॉशिंगटन। अमेरिकी सेना एक ऐसी गोली का परीक्षण कर रही है जो उम्र का बढ़ना रोक देगी। यह एंटी एजिंग पिल चोट को भी जल्द ठीक करने में मदद करेगी। इस दवा को अमेरिकी सेना के स्पेशल ऑपरेशन कमांड ने बनाया है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी रक्षा मंत्रालय सैनिकों की क्षमता को बढ़ाना चाहता है। यह पेंटागन के उस प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जिसके तहत वह इंसानों के प्रदर्शन में जबर्दस्त सुधार करना चाहता है। दावा किया जा रहा है कि इस दवा से निकोटिनामाइड एडेनिन डाइन्यूक्लिओटाइड (NAD+) का स्तर बढ़ जाता है। यह एक को-एंजाइम है जो मेटाबॉलिज्म के लिए अहम है। इस दवा में न्यूट्रास्यूटिकल्स का उपयोग किया गया है। यह ऐसा उत्पाद है जिसे खाने

की चीजों से निकाला जाता है। इसमें पोषक तत्व व औषधीय गुण भरपूर होते हैं। फोर्टिफाइड डेयरी उत्पाद और एंटीऑक्सीडेंट एडिटिव्स इसी श्रेणी में आते हैं। शोधकर्ताओं को एनिमल क्लिनिकल ट्रायल के दौरान एनएडी+ में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसलिए उम्मीद जताई जा रही है कि इंसानों में भी नतीजे बेहतर ही मिलेंगे। इस दवा से सूजन और न्यूरोडीजेनेरेशन (नर्वस सिस्टम का बूढ़ा होना) में कमी लाने में सफलता मिल सकती है। साथ ही कोशिकाएं फिर से जवान हो जाती हैं। सोकोम के प्रवक्ता टिम हॉकिंस के मुताबिक इस दवा का इस्तेमाल सैनिक और आम जनता दोनों के लिए किया जा सकेगा। इस दवा को बनाने के लिए अमेरिकी सेना बायोटेक लैब मेट्रो इंटरनेशनल बॉयोकेम से गठजोड़ कर रही है।

बुलढाणा हलचल

मोबाइल रेंज नहीं मिलने पर शिवसेना और युवासेना ने टावर पर चढ़ कर किया शोले स्टाईल में आंदोलन

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। पिछले कई दिनों से चिखली तहेसील के नागरिक मोबाइल की रेंज की कमी के कारण परेशान हैं। इसलिए शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि से संबंधित कई पहलों के क्रियान्वयन से नागरिकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है इस बीच, नागरिकों ईस समस्या को हल करने के लिए युवा सेना तालुका प्रमुख नंदू कहाडे को सुचना दी। ईस समस्या पर ध्यान आकर्षित कराने के लिए शिवसेना और युवा सेना ने 9 जुलाई को टावर पर 'शोले स्टाइल' आंदोलन किया गया।चिखली शहर से सटे गांव खोर, माळशेंबा, अंत्री , वाघापूर , चांधई , गोद्री, पळसखेड दौलत, भोकर गांव कई दिनों से रेंज की समस्या से जूझ रहे हैं। इसलिए, ऑनलाइन शिक्षा की समस्या छात्रों द्वारा महसूस की जा रही है। आम नागरिक 108 नंबर पर कॉल नहीं कर सकते हैं जो बीमारी के मामले में आपातकालीन सेवाएं प्रदान करता है। कुछ नागरिकों

ने शिवसेना के संपर्क कार्यालय में शिकायत की कि कृषि क्षेत्र से संबंधित कई योजनाएं ऑनलाइन हैं और इंटरनेट सुविधा उपलब्ध न होने के कारण नागरिक लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। उसके बाद सभी शिवसेना नेताओं के मार्गदर्शन में नंदू कहाड़े की पहल पर खोर स्थित टावर पर चढ़कर शोले स्टाइल आंदोलन किया गया। नंदू कहाड़े के साथ शहर संघटक प्रितम गैची, पप्पू परिहार आनंद गैची , विभागप्रमुख प्रविण सरदड , पंकज हाके, प्रदीप माळोदे प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए सुबह 10 बजे से टावर पर स्टैंड लगाया था। इस बीच, शिवसेना के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और तहसीलदार येले के साथ मध्यस्थता की, कंपनी के प्रतिनिधि पांडे को किनारे पर रखा। आठ दिन के अंदर मोबाइल टावर की फ्रीक्वेंसी बढ़ाने और समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन देने के बाद टावर पर चढ़ने वाले अधिकारी अनुरोध पर नीचे उतर आए। इस अवसर पर शिवसेना के संपर्क प्रमुख और जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष नरुभाऊ खेडेकर, सहसंपर्क प्रमुख भास्करराव मोरे, उपजिल्हाप्रमुख शिवाजीराव देशमुख, तालुका प्रमुख कपिल खेडेकर, शहर प्रमुख श्रीराम झोरे, युवासेना उपजिल्हाप्रमुख रोहित खेडेकर आदी उपस्थित थे।

कोरोना की तीसरी लहर पर नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य प्रणालियां तैयार, उच्च व तंत्र शिक्षण मंत्री उदय सामंत

बुलडाणा। कोरोना काल में रोजाना हजारों मरीज जिले से पाए जा रहे थे। जिले का रुग्णता ग्राफ लगातार बढ़ रहा था। लेकीन , सरकार द्वारा उठाए गए प्रभावी उपायों के कारण हम कोरोना की दूसरी लहर को नियंत्रित करने में सफल हो रहे हैं। जानकारों के मुताबिक कोविड संक्रमण की तीसरी लहर आने की आशंका है। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री उदय सामंत ने आज यहां कहा कि स्वास्थ्य प्रणाली इस तीसरी लहर के ज्वार को रोकने के लिए, तैयार है। राज्य के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे से प्राप्त आठ वेंटिलेटर का उद्घाटन मंत्री उदय सामंत ने योजना भवन समिति हॉल में किया। वह उस समय बात कर रहा था। इस अवसर पर पंचायत राज समिति के अध्यक्ष एवं विधायक संजय रायमुलकर, विधायक संजय गायकवाड़, पूर्व विधायक डॉ. शशिकांत खेडेकर,

बुलडाना कृऊबास के अध्यक्ष जलंधर बुधवत, जिला कलेक्टर एस राममूर्ति, जिला पुलिस अधीक्षक अरविंद चावरीया, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी भाग्यश्री विस्पुते, ऋषि जाधव. आदि मंच पर मौजूद थे। साथ ही हॉल में जिला सर्जन डॉ. नितिन तादस, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बालकृष्ण कांबळें, रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर दिनेश गीते सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री. सामंत ने आगे कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरों में भी अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों। राज्य सरकार इसके लिए जरूरी उपकरण मुहैया कराने का प्रयास कर रही है। इसी के तहत पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे जिला स्वास्थ्य व्यवस्था को वेंटिलेटर उपलब्ध करा रहे हैं। स्वास्थ्य प्रणाली, विभिन्न विभागों, संगठनों और नागरिकों के संयुक्त प्रयासों के लिए धन्यवाद, हम ज्वार को रोकने में सक्षम थे। अब तीसरी लहर को रोकने के लिए सचेत प्रयास की जरूरत है। इसके लिए विभिन्न स्थानों पर आवश्यक व्यवस्था स्थापित की जा रही है। जिले को उच्च गुणवत्ता वाले वेंटिलेटर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए इस प्रणाली का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए। उद्घाटन समारोह के बाद मंत्री ने पत्रकारों से भी बातचीत की।

मधुबनी हलचल

नियोजित शिक्षकों के आश्रितों को जल्द मिले अनूकम्पा का लाभ: मशकूर आलम

मधुबनी। बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ जिला इकाई मधुबनी के जिला अध्यक्ष मशकूर आलम ने जिला शिक्षा पदाधिकारी मधुबनी को आवेदन दिया जिसमें उन्होंने ने कहा के 1 जुलाई 2006 के बाद नियोजित शिक्षकों के मृत्यु के बाद आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर नियोजन नहीं किया गया, इसके लिए संघ निंदा करती है, उन्होंने के कहा के करोना काल में बहुत सारे शिक्षक मौत के गोद में समा गए हैं उनके आश्रितों को किसी भी प्रकार की आर्थिक सहायता और न ही अनुकम्पा का लाभ मिला है, आश्रित किस प्रकार गुजरा कर रहे हैं विभाग ने उनका हाल चाल लेना मोनासिब नहीं समझा, दूसरी तरफ जबसे ईपीएफ का लाभ शिक्षकों को मिला तब से बिहार सरकार के द्वारा पुर्व घोषित 4 लाख का मुआवजा भी बन्द हो गया, ईपिएफ से लाभ लेना आश्रितों के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रही है, जिला उपाध्यक्ष तकी अख्तर ने कहा के अविलंब आश्रितों को शिविर लगाकर अनुकम्पा का लाभ मिले, अनूकम्पा के लिए आवेदन आश्रितों के द्वारा प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा कार्यालय को हस्तगत करा दिया गया है, उन्होंने कहा के इस पर त्वरित गति से कारवाई हो ताकि हमारे शिक्षकों के आश्रितों को लाभ जल्द प्राप्त हो।

बिहार के बहुत सारे जिला में सैलाब ने मचा रखी है तबाही, केवटी की हालत बद से बदतर

मधुबनी। बिहार हमेशा से बदहाल रहा है और बिहार में सैलाब हर साल एक नई तबाही लेकर आती है और ज्यादातर गरीब परिवारों को बर्बाद कर जाती है। इस साल भी बिहार के लगभग जिला में सैलाब ने तबाही मचा रखी है। बिहार में अभी सबसे ज्यादा संगीन सूरतेहाल दरभंगा और मधुबनी जिला की बनी हुई है। सरकार और प्रशासन भी सैलाब को लेकर सिर्फ आश्वासन से

ही काम चला रही है। जनता परेशान है खासकर गरीबों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे हालात में दरभंगा जिला के असराहा पंचायत की मुखिया शाजरा परवीन सैलाब से परेशान गरीबों के लिए अपने पति खुर्शीद आलम को मसीहा के रूप में जनता के बीच राहत पहुंचाने के लिए उतार रखा है। खुर्शीद आलम हमेशा जनता की सेवा के लिए जनता के बीच रहते हैं। खुर्शीद आलम के काम को देखते हुए सराहा पंचायत और मुखिया शाजरा परवीन को सरकार ने सम्मानित भी किया था। अभी खुद के फंड से एयर नाव भी खरीद कर जनता की सेवा में 24 घंटे लगे हुए है। खुर्शीद आलम का साथ पंचायत की जनता भी खुब देती है। वहीं मुखिया जी के साथ जकी अहमद, मोहम्मद तौकीर, साहिल अब्बासी समेत अन्य कई लोग लगातार जनता की सेवा में लगे हुए हैं। वहीं राजौरा और बाबु सलीमपूर पंचायत की हालत भी सैलाब से बद से बदतर बनी हुयी है। इस दोनों पंचायत की जनता के बीच मोहम्मद नूरैन, चांद बाबु, भोला आदि अपनी टीम के साथ लगातार लोगों की मदद में लगे हुए हैं।

राजस्थान हलचल

रक्तकोष फाउंडेशन के जिला सचिव जितेन्द्र बांता के जन्मदिन पर हुआ रक्तदान शिविर आयोजित 36 यूनिट एकत्रीक हूआ

जोधपुर। रक्तकोष फाउंडेशन के जिला सचिव जितेन्द्र बांता चौधरी के जन्मदिन पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित हुआ यह आयोजन जूना खेड़ापति बालाजी मंदिर चीरघर में हुआ जितेंद्र बांता ने बताया कि कैंप में मुख्य अतिथि के रूप मे y s s blood group के अध्यक्ष नदिम बक्ष थे शिविर मे महिलाओं एवं पुरुषों ने बढ़ चढ़कर रक्तदान किया। रक्तदाताओं मे आनंदमयी सारण, पार्वती, चैनसिंह, अभिषेक, अनिल, तेजराज, मितेश, प्रेम, सूर्यप्रकाश, मो एजाज, नवीन डॉ अशिफ, सहित कैंप में 36 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

कैंप मे यह रहे मौजूद

अध्यक्ष कमलेश जी सहायक विकास अधिकारी शेरगढ़ ,जोगेंद्र सिंह जी, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष रविंद्र सिंह जी सोलंकी, y s s ब्लड ग्रुप के अध्यक्ष नदीम बक्ष, शरीक हुए सभी का जितेन्द्र बांता ने कैंप मे टाइम निकलने के लिए आभार जताया। अंत में जितेंद्र बांता ने कैंप मे विशेष सहयोग के लिए अभिषेक सोलंकी चेनसिंह सोलंकी मुन्नाराम पांगा, आईदानराम, पन्नालाल, नरेंद्र बैगड़, प्रदीप परिहार, विनोद जोशी, गफ्फार,प्रमोद सांखला अमित पंडित का आभार जताया। सेवाएं मे रोटरी ब्लड बैंक सीमा जी एंड उनकी टीम द्वारा दी गई रक्त दान एकत्रीक किया।

झारखंड के कर्मठ सील स्वयंसेवक जहांगीर आलम एवं सभी पदाधिकारियों की अच्छी पहल

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

झारखंड-धनबाद। कन्या विवाह एंड विकास सोसायटी भारत सरकार के विधान अंतर्गत बिहार सरकार द्वारा निर्बंधित संस्था जोकि विगत 11 वर्षों से बिहार राज्य के गया जिले से शुभारंभ करते हुए बिहार झारखंड के भिन्न भिन्न जिलों में प्रखंड स्तरीय गांव गांव में शिविर लगाकर कन्याओं को निर्बंधित कर बाल विवाह दहेज प्रथा को मुक्त करने का जागरूक करते हुए निर्बंधित कन्या को विवाह के समय विदाई सामग्री ट्रंक, तोशक, रजाई, गोदरेज पलंग बर्तन सेट शरबत सेठ वर वधु का वस्त्र एवं श्रृंगार सामग्री झारखंड राज्य के धनबाद जिले के झरिया में स्थानीय सर्वेयर मनतशा फिरदोषी एवं स्थानीय सर्वेयर अफसाना उर्फ मीनू तथा जिला प्रबंधक रिकू वर्मा सहयोगी मुकेश कुमार वर्मा के द्वारा शाह नगर के शकील अहमद के पुत्री अफसरी खातून तथा मुस्लिम शाह की सुपुत्री अफसाना खातून को संस्था सचिव श्री विकास कुमार माली के समक्ष सभी ग्रामीण वासियों को बाल विवाह नहीं करने पर उन्हें विदाई समग्री उपहार स्वरूप उनके विवाह के समय घर पर संस्थान के द्वारा दिया गया जिसमें सभी ग्रामीण वासियों ने संस्था सचिव श्री विकास कुमार माली सहयोगी भीम पासवान बिहार झारखंड के कर्मठ सील स्वयंसेवक जहांगीर आलम एवं सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट करते हुए हर संभव मदद करने का वचन दिया धन्यवाद।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

लोग क्यों खाने लगे हैं आर्गेनिक फूड्स क्या है इसके फायदे

ऑर्गेनिक फूड खाने के फायदे : भाग-दौड़ और तनावभरी जिंदगी के कारण लोगों के पास इतना भी समय नहीं की वह अपने खान-पान पर ध्यान दे सके। कई लोग पेट भरने के लिए प्रोसेस्ड और डिब्बाबंद खाना खा रहे हैं। मगर इस तरह के खाने को खाने से छोटी ऊम्र में ही डायबिटीज, हाई ब्लड प्रैशर, कैंसर जैसी बीमारियां होने लगी हैं। इन बीमारियों से बचने के लिए कुछ लोगों ने ऑर्गेनिक फूड्स को खाना शुरु कर दिया है। उन लोगों का मानना है कि इनमें विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन आदि जरुरी तत्व मौजूद होते हैं। इसलिए इनको खाना हैल्दी रहता है।

क्या होता है ऑर्गेनिक फूड

ऑर्गेनिक फूड को तैयार करे के लिए किसी भी कैमिकल युक्त दवाई का इस्तेमाल नहीं किया जाता। इनको उगाने या बढ़ाने के लिए किसी भी तरह के रसायनिक खाद का इस्तेमाल नहीं किया। ऑर्गेनिक फूड को नेचुरल तरीके से बढ़ने दिया जाता है। आम फूड आइटम्स और ऑर्गेनिक फूड आइटम्स के बीच फर्क कर पाना मुश्किल है क्योंकि रंग और आकार में ये एक जैसे ही दिखते हैं।

ऐसे पहचानें ऑर्गेनिक फूड

ऑर्गेनिक फूड और आम फूड्स देखने में एक जैसे ही लगते हैं। मगर ऑर्गेनिक फूड में सर्टिफाइड स्टिकर्स लगे हैं। स्टिकर्स लगने के साथ ही इन फूड्स का स्वाद भी कुछ अलग होता। ऑर्गेनिक मसालों की गंध आम मसालों से ज्यादा होती है। इसके साथ तरह ऑर्गेनिक सब्जियां गलने में ज्यादा टाइम नहीं लेतीं। जल्दी पक जाती हैं।

बीमारियों से बचाएं

ऑर्गेनिक फूड को तैयार करने के लिए किसी भी कैमिक्ल युक्त दवाओं का इस्तेमाल नहीं किया। इसलिए इसमें सारे पौषक तत्व मौजूद होते हैं। इनको खाने से ब्लड प्रैशर की समस्या, माइग्रेन, डायबिटीज और कैंसर जैसी समस्याएं नहीं होती। इसके साथ इनका सेवन करने से रोग-प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। इसमें इन फूड्स में फैट की मात्रा भी बहुत कम होती है। इसके अलावा रोजाना ऑर्गेनिक फूड्स खाने से स्किन पर निखार आता है।

फूड्स खरीदते समय इन बातों को रखें ध्यान

ऑर्गेनिक फूड्स वहीं से खरीदे जहां पर इसकी प्रमाणिकता साबित हो। आमतौर पर ऑर्गेनिक दालों में कीड़ा लगने की शिकायत भी नहीं आती। पैकेट पर लिखी जानकारी ध्यान जरूर पढ़ लें।

इन 10 प्रॉब्लम्स को दूर रखने के लिए आपको भी पीनी चाहिए पुदीने की चाय

ग्रीन टी पीने के फायदे : बिजी लाइफस्टाइल में किसी के भी पास इतना समय नहीं है कि वह अपनी सेहत का ध्यान रख सके। गलत खान-पान और हैल्थ के प्रति बरती गई थोड़ी-सी असावधानी से आपको कई समस्याएं होने लगती है। इससे बचने के लिए सही डाइट का होना बहुत जरूरी है। कुछ लोग अपने दिन की शुरूआत ग्रीन टी से करते हैं लेकिन इससे भी ज्यादा फायदेमंद हैं पुदीने की चाय। आज हम आपको स्पेअरमिंट टी यानी पुदीने की चाय के बारे में बताएंगे, जिससे आप कई बीमारियों से बच सकते हैं। तो आइए जानते हैं स्पेअरमिंट टी पीने के फायदे। स्पेअरमिंट एक तरह का पुदीना ही है। मगर यह पहाड़ों में पाया जाता है। इसकी पैदाइश मूलरूप से यूरोप में हुई थी। पर अपने गुणों की बदौलत आज इसे संसारभर के लोग पी रहे हैं। इसको पीने के कई फायदे होते हैं। आज हम आपको स्पेअरमिंट टी पीने के फायदे बताएंगे।

1. इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत होना

जो लोग अक्सर बीमार रहते हैं उनके स्पेअरमिंट टी पीनी बहुत फायदेमंद होती है। इसमें पाए जाने वाले पौषक तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमताओं को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके साथ ही रोजाना 1 कप स्पेअरमिंट टी पीने से पाचन तंत्र, यूरिन से होने वाली जलन और सांस संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है।

2. पीसीओएस में हैल्पफूल

शरीर और चेहरे पर अत्यधिक बालों का होना, यौन इच्छा में अचानक कमी, युवावस्था या प्रजनन की उम्र के दौरान अनियमित मासिक धर्म का होना, शादीशुदा महिलाओं में बांझपन या गर्भ न ठहरना जैसे लक्षण दिखाई दें तो ये पीसीओएस के लक्षण हैं। इस बीमारी से बचने के लिए रोजाना 1 कप स्पेअरमिंट टी पीएं।

3. ऑस्टियोआर्थराइटिस को करें कम

स्पेअरमिंट टी में एंटी ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं जो सूजन को कम करने का काम करता है। अगर आपको ऑस्टियोआर्थराइटिस की समस्या है तो इस टी को पीना शुरू करें। इसको पीने से कुछ ही दिनों में जोड़ों में होने वाले दर्द से राहत मिलेगी।

4. पेट की समस्याओं को करें दूर

यह टी हमारे पाचन तंत्र को मजबूत करती है। इसके साथ यह पेट में बनने वाली गैस और दर्द से भी राहत दिलाती है। इसके अलावा स्पेअरमिंट टी पाचन क्रिया को सुधारती है और भोजन को पचाने में भी मदद करती है।

5. सांसों की बदबू मिटाएं

बार-बार ब्रश करने के बाद भी सांसों से बदबू आने लगती है। ऐसा सल्फाइड और अमाइन के कारण होता है। स्पेअरमिंट टी के गुण सांसों की बदबू पैदा करने वाले पदार्थों को बढ़ने से रोकता है। अपनी डाइट में इस चाय को शामिल करने से सांसों की बदबू मिटाने लगती है।

6. फंगल इंफैक्शन रोके

स्पेअरमिंट टी में एंटी-फंगल गुण होते हैं फंगल इंफैक्शन से लड़ने में सहायक है। रोजाना 1 कप यह टी पीने से पाचन तंत्र मजबूत होने के साथ ही फंगल इंफैक्शन होने का भी खतरा कम रहता है।

7. तनाव से राहत दिलाएं

प्राकृतिक एंटी-स्पास्मोडिक गुण है जो तनाव से राहत देने के लिए अच्छा होता है। इसके प्राकृतिक एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण ब्लड प्रेशर और शरीर के तापमान को कम करने में मदद करते हैं और आपको आराम देते हैं।

8. लीवर रखें स्वस्थ

एक रिसर्च में पाया गया है कि स्पेअरमिंट टी पीने से लीवर मजबूत होता है। अगर आपको भी लीवर से संबंधित कोई समस्या है तो इस चाय को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

9. कैंसर से बचाव

फ्री रेडिकल को सेलुलर ब्रेकडाउन का प्राथमिक कारण माना जाता है जो पुरानी बीमारियों के कारण होता है। कैंसर भी इसी वजह से होता है। एक शोध में पाया गया है कि स्पेअरमिंट टी में एंटीऑक्सिडेंट गुण पाए जाते हैं जो फ्री रेडिकल को खत्म करते हैं। कैंसर से बचाव के लिए रोजाना यह चाय पीएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'विक्रम वेधा' के हिन्दी रीमेक में नजर आएंगे सैफ अली खान और रितिक रोशन

साउथ की हिट फिल्म 'विक्रम वेधा' के हिन्दी रीमेक की खबरें बीते कई दिनों से सुर्खियों में बनी हुई है। इस फिल्म की कहानी एक पुलिस अधिकारी और एक अपराधी के इर्द-गिर्द घूमती है। साउथ की ब्लॉकबस्टर एक्शन-थ्रिलर फिल्म विक्रम वेधा में आर माधवन और विजय सेतुपती ने लीड रोल निभाया था। वही फिल्म के हिन्दी रीमेक में रितिक रोशन और सैफ अली खान लीड रोल में नजर आने वाले हैं। पहले खबरें आ रही थी कि रितिक रोशन बिजी शेड्यूल की वजह से इस फिल्म को छोड़ रहे हैं। अब ताजा खबरों के अनुसार वह इस फिल्म का हिस्सा है। रितिक और सैफ ने इस फिल्म की तैयारी भी शुरू कर दी है। खबरों के अनुसार इस फिल्म को 30 सितंबर 2022 को रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने फिल्म के लिए यह रिलीज डेट इसलिए फाइनल की है क्योंकि 2 अक्टूबर को गांधी जयंति की छुट्टी है और 5 अक्टूबर को दशहरा है ऐसे में फिल्म को फेस्टिव सीजन का अच्छा फायदा हो सकता है। विक्रम वेधा के हिन्दी रीमेक में रितिक रोशन गैंगस्टर वेधा के किरदार में नजर आएंगे। वहीं सैफ अली खान पुलिस ऑफसर विक्रम के किरदार में दिखाई देंगे।

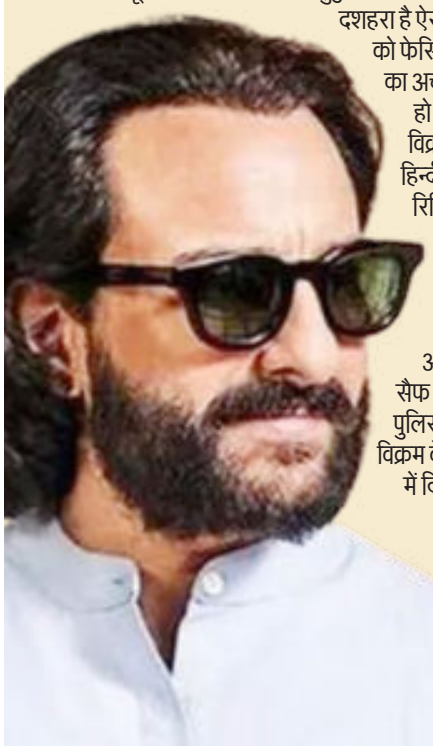

गुजरात की फेमश मॉडल व अभिनेत्री दिशा कोतवानी बॉलीवुड में एंट्री करने के लिए तैयार

मायानगरी मुंबई में रोजाना लाखों लोग अपने सपने पूरा करने के लिए आते हैं। कुछ लोग अपना सब कुछ दांव पर लगाकर आते है तो कुछ अपने जुनून को पूरा करने के लिए। देश के हर कोने-कोने से आए लोगों में से सिर्फ कुछ लोगों ही सफलता नसीब होती है। इंडस्ट्री में अपना मुकाम हासिल करने के लिए लोग अपनी जी जान लगा देते है। इसी में से एक हैं गुजरात की मशहूर मॉडल व अभिनेत्री दिशा कोतवानी, जी हां दिशा कोतवानी गुजरात की एक बहुत ही फेमश मॉडल व अभिनेत्री हैं। जो वहां की बहुत सारी फिल्मों में बतौर लीड अभिनेत्री काम कर चुकी है, मॉडल व अभिनेत्री दिशा कोतवानी अपने अभिनय के दम पर गुजरात में धमाल मचाने के बाद अब मुंबई में एंट्री कर रही हैं। गुजरात में दिशा कोतवानी की दिवानगी का आलम यह है कि वहां के प्रोड्यूसर अपनी फिल्मों में साइन करने के लिए बेताब रहते हैं। दिशा कोतवानी ने कहा कि मैं चाहती हूं कि जैसे मुझे दर्शकों ने गुजरात में अपना प्यार दिखाया है वैसे मुंबई में भी मुझे मिले। अभिनेत्री दिशा कोतवानी ने कहा कि आज मैं जो भी कुछ हूं अपने परिवार व माता पिता के आर्शिवाद से यहां तक पहुंच पाई हूं। दिशा कोतवानी को मॉडलिंग व फिल्ड इंडस्ट्री में आज काम की कोई कमी नहीं है। मॉडल व अभिनेत्री दिशा कोतवानी का सपना है कि दीपिका पादुकोण व कैटरीना कैफ जैसी एक बड़ी अभिनेत्री बनने का, उन्होंने कहा कि मुझे पूरा उम्मीद है कि मैं एक दिन जरूर सलमान खान व शाहरूख खान जैसे बड़े कलाकारों के साथ बॉलीवुड फिल्मों में बड़े पर्दे पर नजर आउंगी। वही मॉडल व अभिनेत्री दिशा कोतवानी की अगर फैन फॉलोइंग की बात करें तो युवाओं में इनकी फैन फॉलोइंग काफी जबरदस्त है।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D. JALAN COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE
A sister concern of S. J. PODDAR ACADEMY (ICSE)
Estd. : 2011
Admissions Open for Academic Year 2021-2022
F.Y.J.C. / S.Y.J.C. (Science & Commerce)
B.M.S. / B.A.F. / B.Sc. (I.T.)
B.Com. / B.Sc. (CBZ)
COLLEGE CODE : 527
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai – 400097.
Phone No.: 022- 40476030
www.gdjalan.edu.in